>

Title: Regarding demand for Joint Parliamentary Committee to examine irregularities and malpractices in IPL and alleged phone tapping of political leaders.

SHRI YASHWANT SINHA (HAZARIBAGH): Mr. Deputy-Speaker, Sir, this is a very serious issue. It is an issue which is linked to the IPL also. There are phone tappings which show that Cricket betting has also taken place and, therefore, we revert to our original demand that there must be a JPC to investigate the IPL and all related matters. ...(*Interruptions*) We want the Government to respond to this. We have given a notice on breach of privilege against the Prime Minister that he has spoken outside on this issue. Now, the Leader of the House must respond and say as to what is the Government's response to our demand for a JPC.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : Sir, this issue has been raised already. The question of formation of a JPC in respect of IPL has also been raised. I said the Government will consider and the Government will inform the House. In the same statement, as the hon. Members will recollect, I said that the House is continuing and the House will continue. But we have some time-bound business to be completed and that is the financial business which ought to be transacted. With the cooperation of hon. Members, we have transacted one item just now. I have talked to the Leader of the Opposition and other leaders that by tomorrow evening we hope to complete the third leg of the budgetary process by passing the Finance Bill.

Thereafter definitely we will be addressing all the issues which the hon. Members have raised, the IPL issue and even the issue which has been raised today and what appropriate steps the Government will take, I will inform the House. I am not running out of the House. The House is going to continue up to 7th of May. There is time. Let them have some patience and allow the financial business to be transacted now.

**श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा):** उपाध्यक्ष जी, नेता सदन ने जो फाइनेंस बिल को पारित करने की बात कही है, मैंने सदन के बाहर भी उन्हें आश्वस्त किया और मैं सदन के अन्दर भी खड़ी होकर उन्हें आश्वस्त करती हूं कि हम किसी भी वित्तीय कार्य में बाधक नहीं बनेंगे। वित्त बिल पारित होगा और कल ही पारित होगा, हम परसों तक नहीं ले जाएंगे। अगर शाम को भी देर रात तक बैठना होगा तो हम बैठेंगे, लेकिन वित्त विधेयक पारित करेंगे। वित्त विधेयक पारित करना केवल सरकार की नहीं, विपक्ष की भी बराबर की जिम्मेदारी है और हम अपनी भूमिका को निभाएंगे।

जो सवाल यशवन्त सिन्हा जी ने उठाया, मैं केवल उसके बारे में जानना चाह रही हूं कि नेता सदन ने मेरे द्वारा उठाई गई मांग पर उस दिन भी यह प्रतिक्रिया व्यक्त की थी कि हम आपकी बात को कन्सीडर कर रहे हैं और मैं आपकी भावनाओं से प्रधानमंत्री को अवगत करा दूंगा, जब मैंने आई.पी.एल. पर जे.पी.सी. की मांग की थी। आपने यह प्रतिक्रिया दी थी और मैं बैठ गई थी, लेकिन हमें दुख इस बात का हुआ कि प्रधानमंत्री ने बजाय सदन में कहने के बाहर हमारी मांग को खारिज किया, इसलिए हमारे लोगों की तरफ से प्रिवलेज दिया गया है। मैं यह कह रही हूं कि आप आज फिर कह रहे हैं कि हम कन्सीडर करेंगे। हम केवल यह जानना चाह रहे हैं कि कंसीडरेशन के बाद आप मानें या नकारें, यह आपका अधिकार है, आपके पूर्वक्ता ने कहा कि विपक्ष मांग कर सकता है, हम नकार सकते हैं, बिल्कुल नकार सकते हैं, मगर सदन के भीतर नकारिये, सदन के बाहर नहीं।

इसलिए मेरा आपसे महज़ यह कहना है...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप बैठ जाइये। आप फिर टोका-टोकी क्यों कर रहे हैं।

**श्रीमती सुषमा स्वराज :** मेरा नेता सदन से विनम्र अनुरोध यह है कि आप संसदीय परम्पराओं के ज्ञाता हूं और इस सदन के ही नहीं, इस समय की पूरी संसद के सबसे वरिष्ठ सांसद हैं, इसलिए आपको यह मालूम है कि जब सदन का सत्र चल रहा होता है तो प्रधानमंत्री का पहला दायित्व सदन के प्रति होता है, बाहर नहीं।

जो मांग सदन के अंदर उठायी गयी, नेता प्रतिपक्ष द्वारा उठायी गयी और नेता सदन द्वारा प्रतिक्रिया करके यह कहा गया कि मैं प्रधानमंत्री जी को भावनाओं से अवगत करा दूंगा, उसका जवाब मुझे अखबार में पढ़ने को क्यों मिला, सदन के अंदर क्यों नहीं मिला? क्या प्रधानमंत्री सदन में आएंगे और हमारी बात का जवाब देंगे? यह हमारा आपसे प्रश्न है। वित्त विधेयक पारित होगा, आप इसकी चिंता मत करिए। इसे हम सब बैठकर पारित करायेंगे। ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष जी, मेरा निवेदन है ...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** यह डिबेट का विषय नहीं होना चाहिए, तब तो यह पास भी नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** महोदय, मैं बहुत ज्यादा नहीं कहना चाहता, केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि फोन टेपिंग, आईपीएल और करप्शन ये जुड़े हुए सवाल

हैं। जब फोन टेपिंग का सवाल उठा, तो नेता सदन ने कहा कि प्रधानमंत्री जी जवाब देंगे और उसके बीच में चेयर ने कहा कि सारे अपोजीशन को बुलाने के बाद ही इसका जवाब दिया जाएगा। चिदंबरम साहब, होम मिनिस्टर खड़े हुए और उन्होंने पूरा बयान पढ़ दिया। ...(व्यवधान) वे खड़े हुए और उन्होंने बयान दे दिया। मैं इतनी ही विनती करना चाहता हूं कि आपके कहे अनुसार हम बैठ गए थे, लेकिन उन्होंने बात पढ़ दी और उनकी बात देश में चली गयी। हम इस पर कुछ कहना चाहते हैं। हम किसी पार्टी को लक्ष्य बनाकर नहीं कहना चाहते या किसी पक्ष के अनुसार नहीं कहना चाहते हैं। ये सारी इंटरलिंक्ड हैं। एक नए तरीके से जो टेप हुआ, उसमें जो अंतिम टेप है, उसका आईपीएल से भी संबंध है। इसलिए मेरा कहना है कि जो फोन टेपिंग मामला है, उस पर भी, क्योंकि वह आइसोलेटेड मामला नहीं है, मिला हुआ मामला है, सदन में उसको उठाने का मौका हमको मिलना चाहिए। ...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** अब हो गया। इसे बहस का विषय मत बनाइए।

â€¦(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** इन्होंने बोल दिया है। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Deputy-Speaker, Sir, I can assure the hon. Members that three or four important issues, the IPL issue, then the issue which has appeared in a section of the media in respect of some phone tapping, the statement which the hon. Home Minister made in connection with phone tapping etc., we will have the opportunity of discussing with the leaders of various political parties. The Government will consider as to what approach it will take and thereafter either myself or the Prime Minister will come to the House and inform the House. But it will be done after the financial business is transacted by tomorrow in this House.

-

-

-